Economic Geography

An Introduction

Definition, Nature and Scope

परिभाषा, प्रकृति, विषय क्षेत्र

Geographical perspective
भौगोलिक परिप्रेक्ष्य/ नज़रिया

Distribution वितरण

Intensity सघनता

Pattern प्रतिरूप

Slides compiled by Urvi Sharma

Mean years of schooling, 2017

Average number of years of total schooling across all education levels, for the population aged 25+

Our World in Data

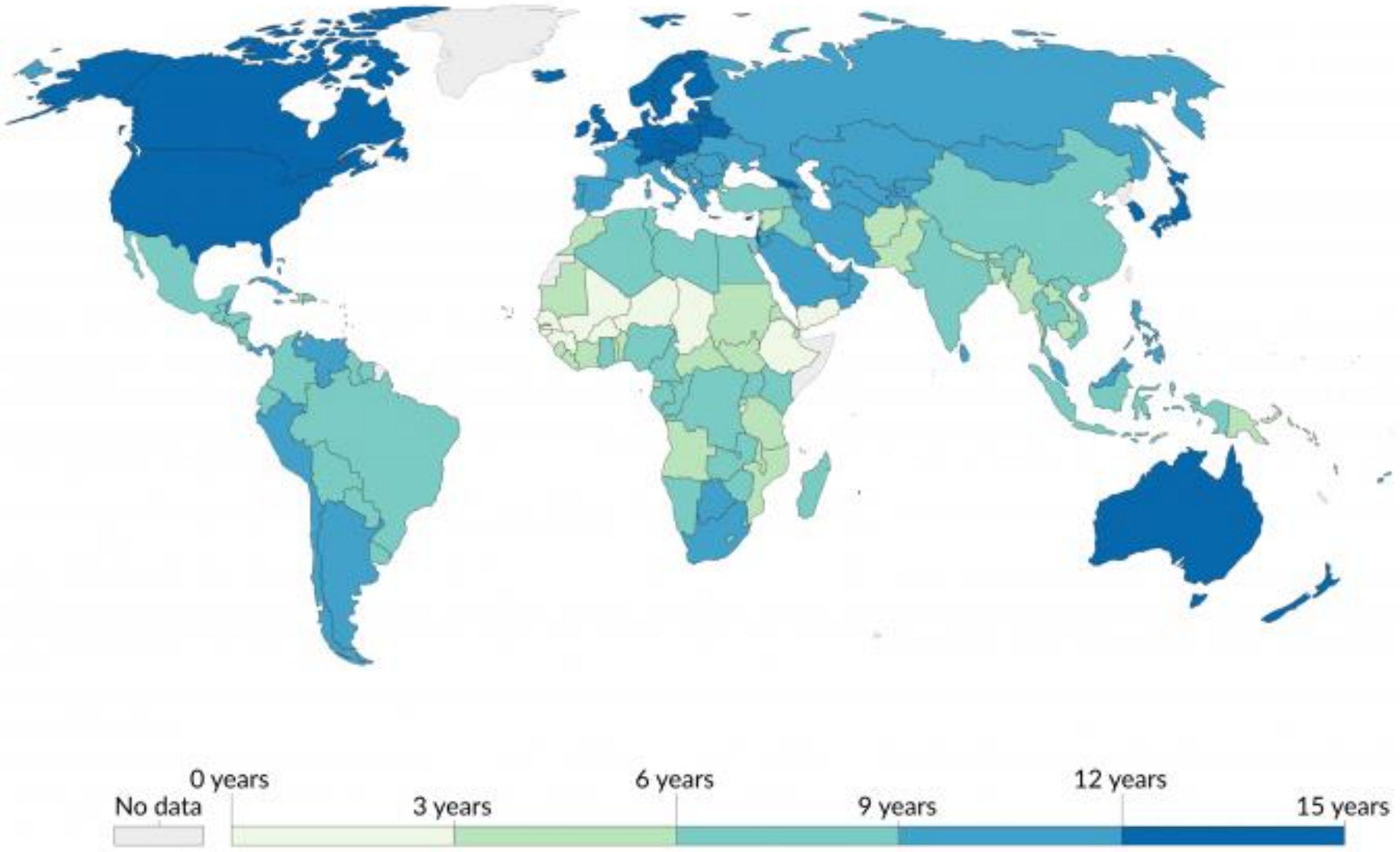

Source: Lee-Lee (2016), Barro-Lee (2018) and UNDP, HDR (2018)

OurWorldInData.org/global-rise-of-education • CC BY

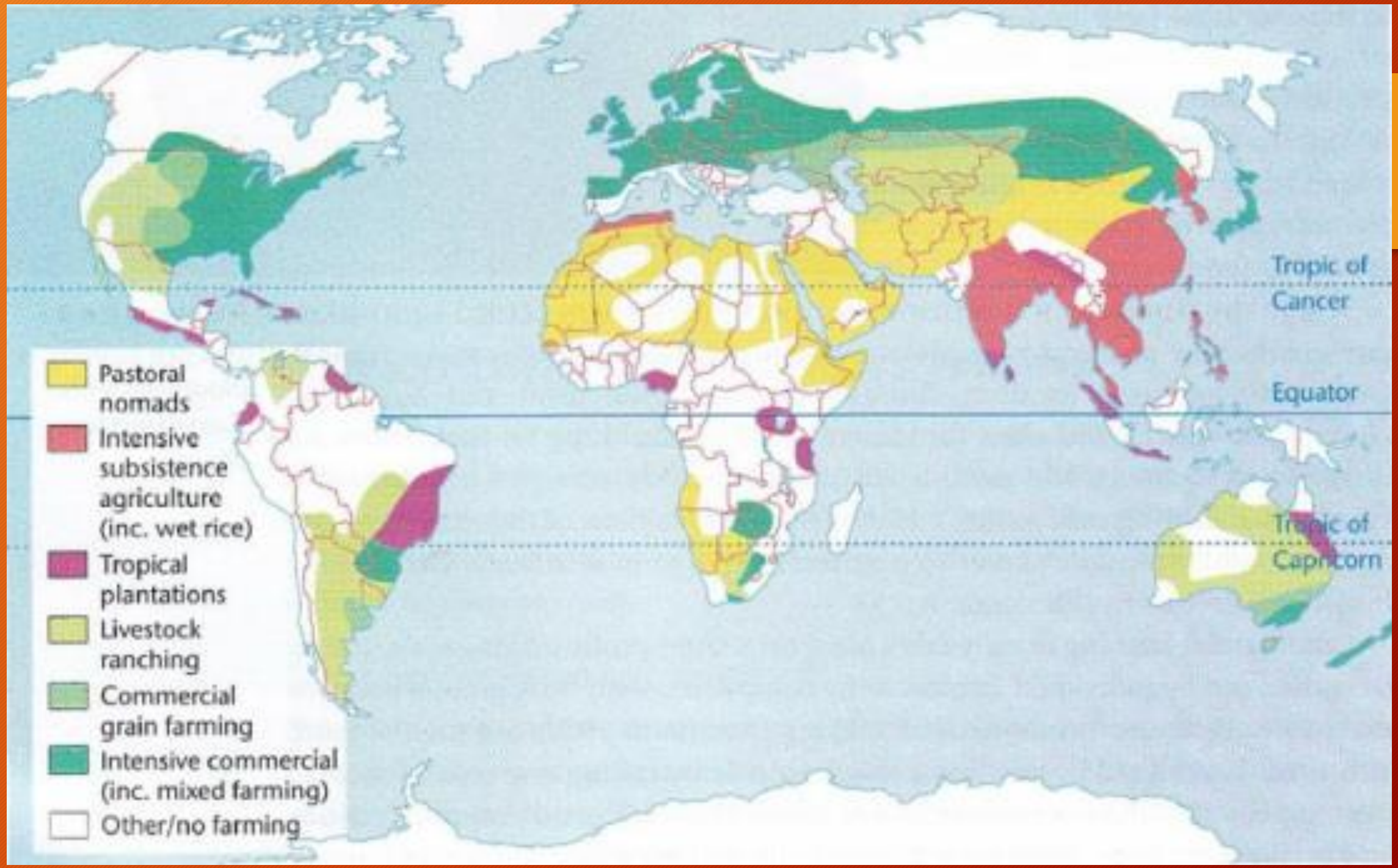
Pastoral nomads
Intensive subsistence agriculture (inc. wet rice)
Tropical plantations
Livestock ranching
Commercial grain farming
Intensive commercial (inc. mixed farming)
Other/no farming
Tropic of Cancer
Equator
Tropic of Capricorn

INDIA'S COVID-19
HOTSPOTS MAPPED

ECONOMICS in ECONOMIC GEOGRAPHY

- **The word ‘Economics’ originates from a Greek word ‘Oikonomikos’.**
- **This Greek word has two parts:**
- **- ‘Oikos’ meaning ‘Home’.**
- **- ‘Nomos’ meaning ‘Management’.**
- **Hence, Economics means ‘Home Management’. In other words, Economics comes from the ancient Greek word “oikonomikos” or “oikonomia.” Oikonomikos literally translates to “the task of managing a household.”**
- **Economics emerged as a subject with high level of applications in all other disciplines due to its basic principle of**

‘Choice making for optimization with the given resources of scarcity and surplus’

Slides compiled by Urmi Sharma

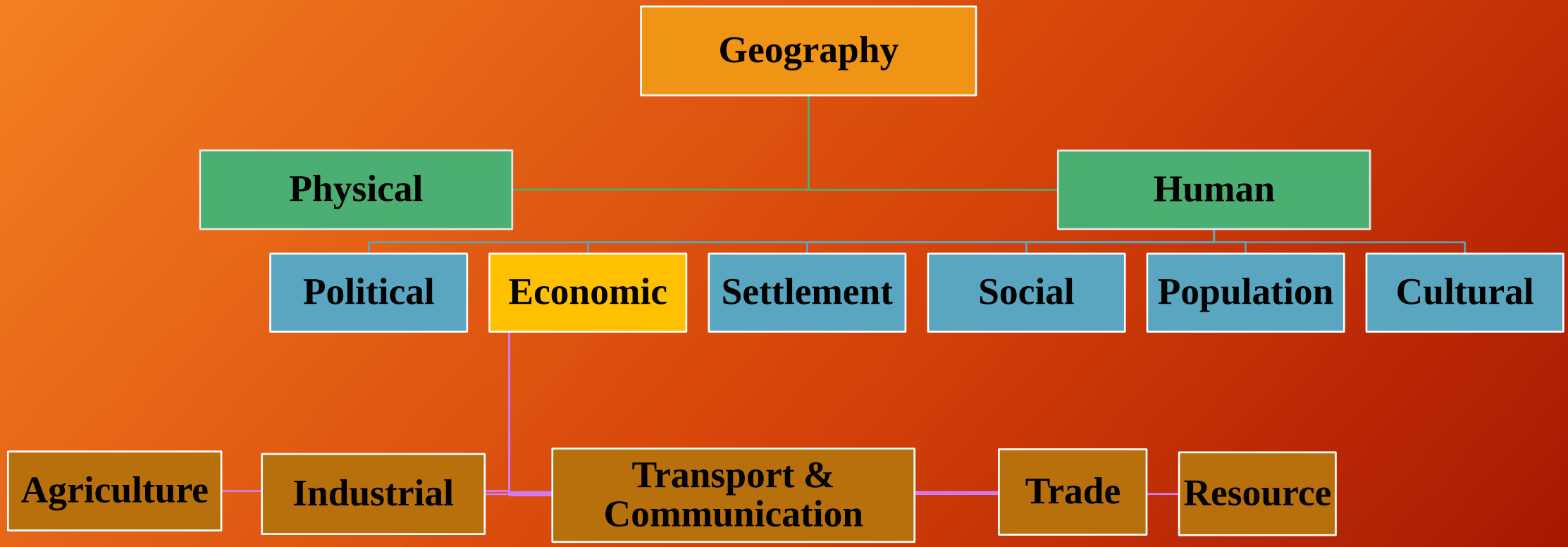
Geography
Physical
Human
Political
Economic
Settlement
Social
Population
Cultural
Agriculture
Industrial
Transport & Communication
Trade
Resource

Definitions

- आर्थिक भूगोल को परिभाषित करते हुए कहा जा सकता है कि इस विषय में पृथ्वी तल की उन स्थानिक विषमताओं का अध्ययन किया जाता है जो उत्पादन, विनिमय तथा उपयोग एवं सेवाओं से संबंधित है.
- आर्थिक भूगोल भूगोल का वह पहलू है जिसके अंतर्गत वातावरण (जैविक व अजैविक) के द्वारा मानवीय क्रियाकलापों पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन किया जाता है. (R.N. Brown)
- आर्थिक भूगोल आर्थिक प्रक्रियाओं की स्थानिक अभिव्यक्ति का अध्ययन है जो वैकल्पिक स्थानों में वैकल्पिक उद्देश्य हेतु संसाधनों का आवंटन करता है. (D.M. Smith)

Slides Compiled by Urmi Sharma

Definitions

- "Economic Geography is concerned with the distribution of man's productive activities over the surface of the earth."

Slides compiled by Urmi Sharma

"आर्थिक भूगोल भूपृष्ठ पर मानव की उत्पादन क्रियाओं के वितरण का अध्ययन है।"

N.J.G. Pounds

Definitions…

- "Economic Geography is the **study of areal variation** on the earth surface in man's activities related to **Producing**, **Exchanging** and **Consuming** wealth."

"आर्थिक भूगोल वस्तुओं के **उत्पादन**, **विनिमय** तथा **उपयोग** संबंधित मानवीय क्रियाओं द्वारा पृथ्वी के धरातल पर सृजित **क्षेत्रीय विभिन्नताओं** का अध्ययन है।"

Hartshorne &Alexander

Slides compiled by Urmi Sharma

Definitions...

- Economic Geography is presumed to form **some reasonable estimate of the future course of commercial development** as determined by **geographical factors**.

"आर्थिक भूगोल के अंतर्गत उन सभी **भौगोलिक परिस्थितियों** का वर्णन किया जाता है जो वस्तुओं की **उत्पत्ति**, उनके **विनिमय** एवं **स्थानांतरण** पर प्रभाव डालती है।"

Chisholm

Slides compiled by Urmi Sharma

Definitions...

- Economic Geography is the study of influence exerted on the economic activity of man by his physical environment, and more specifically by the form and structure of the surface of the land, the climatic conditions which prevail upon it and the spatial relations in which its different regions stand to one another."

Slides compiled by Urmi Sharma

"आर्थिक भूगोल के अंतर्गत **मनुष्य के आर्थिक क्रियाकलापों के पर भौगोलिक तथा भौतिक परिस्थितियों**, विशेष रूप से भूगर्भिक संरचना, जलवायु तथा भूमि की धरातलीय विशेषताओं के प्रभाव का अध्ययन करते हैं।"

J. MacFarlane

Definitions...

- *"Economic Geography is concerned with the problem of making a living with world industries with basic resources and industrial commodities."*

"आर्थिक भूगोल के अंतर्गत इन तथ्यों का अध्ययन किया जाता है कि **किस प्रकार मानव की विभिन्न जीविकोपार्जन क्रियाएं विश्व के साधनों और औद्योगिक वस्तुओं की प्राप्ति** के अनुरूप होती है।"

E. B. Shaw

Slides compiled by Urmi Sharma

- Gotz (Father of Economic Geography, 1882) (आर्थिक भूगोल के जनक)

"आर्थिक भूगोल में **संसार के विभिन्न भागों** की उन विशेषताओं का वैज्ञानिक विवेचन किया जाता है जिनका **वस्तु के उत्पादन** पर **प्रत्यक्ष प्रभाव** पड़ता है।"

- R.E. Murphy के अनुसार:

"आर्थिक भूगोल **मनुष्य के जीविकोपार्जन की विधियों** में एक स्थान से दूसरे स्थान पर मिलने वाली **समानता** एवं **विषमता** का अध्ययन करता है।"

- Huntington के अनुसार:

"मानव **व्यवसाय**, **दक्षता** तथा **आवश्यकता** के अन्य पक्षों पर **भौगोलिक वातावरण के प्रभाव की सीमा** का अध्ययन आर्थिक भूगोल में किया जाता है।"

Aim: Our questions to be

उद्देश्य: हमारे प्रश्न

Questions

- आर्थिक क्रिया कहाँ स्थित है?Where is the economic activity located?
- आर्थिक क्रिया की क्या विशेषताएं हैं? What are the characteristics of the economic activity?
- आर्थिक क्रियाएं किन अन्य घटनाओं से संबंधित है? To what other phenomena are the economic activity related?

Slides compiled by Ummi Sharma

Questions...

- आर्थिक क्रिया वहीं क्यों स्थित है? *Why is the economic activity located where it is?*
- क्या यह आर्थिक क्रिया, आर्थिक और सामाजिक मानदंडों को बेहतर ढंग से पूरा करने के लिए कहीं और स्थित नहीं हो सकती थीं? *Would it not be better located elsewhere, to better satisfy certain economic and social criteria?*

Slides compiled by Urmi Sharma

Aims of Economic Geography

1. The study of the **manner of exploitation of Earth's resources.**

पृथ्वी के संसाधनों के दोहन के तरीकों का अध्ययन करना।

Slides compiled by Urmi Sharma

Aims of Economic Geography...

2. To study comprehensive system of interaction between man and nature.

   मनुष्य और प्रकृति के अंतर्सम्बन्धों को मनुष्य की आर्थिक क्रियाओं पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन करना।

3. To study the changing dynamics of economic activities in the light of changing technology, social and political objectives.

   प्रौद्योगिकी या प्राविधिकी उन्नयन, सामाजिक तथा राजनीतिक उद्देश्यों के प्रकाश में आर्थिक गतिविधियों की बदलते स्वरुप या गतिशीलता का अध्ययन करना।

Slides compiled by Urmi Sharma

Aims of Economic Geography...

4. To **study the manner** in which Trade and Commerce are related to the Earth on which they are transacted.

   किस प्रकार व्यापार और वाणिज्य पृथ्वी (भौगोलिक दृष्टिकोण) से संबंधित हैं जिस पर उनका लेन-देन किया जाता है।

5. Economic Geography Aims and Scope at better and **efficient utilization of limited resources** through Rational, Systematic, Scientific and Long-term Planning.

   आर्थिक भूगोल का उद्देश्य तर्कसंगत, व्यवस्थित, वैज्ञानिक तथा दीर्घकालिक योजना के माध्यम से सीमित संसाधनों का बेहतर और कुशल उपयोग करना है।

Slide Compiled by Urmi Sharma

Aims of Economic Geography...

6. Economic Geography Aims and Scope to **point out the potential for development of a region** and formulating futuristic developmental plans for it.

Slides compiled by Urmi Sharma

आर्थिक भूगोल का लक्ष्य एक क्षेत्र के विकास की संभावनाओं को इंगित करना और इसके लिए भविष्य के विकास की योजनाएं तैयार करना है।

Aims of Economic Geography...

7. Address **economic disparity** between regions.

   प्रदेशों तथा क्षेत्रों के बीच आर्थिक असमानता को संबोधित करना।

8. To search for **laws** and **generalizations** in order to **build a theory**.

   सिद्धांत निर्माण के लिए भौगोलिक नियमों और साम्यकरण की खोज करना।

Slides compiled by Urmi Sharma

Scope

- Resources: Distribution, Production, Consumption, Conservation.....their spatial variations
- Economic activities: Spatial distribution and their changing nature
- Locational analysis of economic activities: Location of Industries
- Functional linkages: SPATIAL ORGANIZATION (Transportation, Trade, Urban forms)
- Globalization
- Disparity: Developmental plans
- Economic regions

Slides compiled by Urmi Sharma

Scope

1. आर्थिक क्रियाकलापों की वितरण का अध्ययन
2. प्राकृतिक संसाधनों का मूल्यांकन एवं मात्राकरण
3. अर्थतंत्र का वातावरण से संबंध का अध्ययन
4. स्थानिक विशेषताओं का अध्ययन
5. आर्थिक क्रियाकलाप एवं प्राविधिकी की अंतःक्रिया एवं चयनित अर्थ तंत्र के स्वरूप में प्रादेशिक भिन्नता का अध्ययन
6. आर्थिक भूगोल के अध्ययन क्षेत्र में सांस्कृतिक-आर्थिक भूदृश्य, आर्थिक उन्नति, स्थानिक संगठन एवं प्रादेशिक नियोजन आदि को भी सम्मिलित किया गया जाता है.

Slides compiled by Urmi Sharma

Approaches उपागम

1. **क्रमबद्ध उपागम** Systematic Approach

- इसके अंतर्गत किसी भी **वस्तु एवं तत्व विशेष के विश्व वितरण संबंधी सामान्य विशेषताओं** का अध्ययन किया जाता है
- इस उपागम में **प्रत्येक तत्व का अलग-अलग अध्ययन** होता है एवं उसके **विश्व वितरण प्रतिरूप का विश्लेषण** करते हैं

Studies compiled by Urmi Sharma

Approaches उपागम

2. प्रादेशिक उपागम Regional Approach

- इसमें किसी **प्रदेश को एक इकाई** मानकर उसके संसाधनों/ **तत्व** का वितरण प्रस्तुत किया जाता है
- इसमें अध्ययन की इकाई प्रदेश के रूप में मानी जाती है तथा उस प्रदेश का विश्लेषण प्रस्तुत किया जाता है
- इस उपागम के अंतर्गत बच्चों का समावेशित विश्लेषण प्रस्तुत किया जाता है

Slides Compiled by Urmi Sharma

Approaches

3. सैद्धांतिक उपागम (Theoretical Approach)

- आर्थिक भूगोलवेत्ताओं ने मानव की आर्थिक क्रियाओं को स्पष्ट करने के **स्थानीयकरण संबंधी सिद्धांत** प्रस्तुत किए
- इस **उपागम का उद्देश्य मॉडल बनाना है**
- **Alfred Weber का औद्योगिक अवस्थिति (Theory of Industrial Location) का सिद्धांत**
- **von Thunen का कृषि अवस्थिति,**
- **Chirstaller का केंद्रीय स्थान सिद्धांत** आदि मॉडल इसमें प्रमुख है

Slides compiled by Urmi Sharma

Approaches

4. आगमनिक एवं निगमन विधियां (Empirical & Deductive Methods)

- इस प्रकार के अध्ययन **प्रत्यक्ष अवलोकन से प्राप्त अनुभव विज्ञान** पर आधारित होते हैं.
- इस विधि को **आगमन विधि कहते हैं**
- इस विधि के विपरीत वर्तमान में **सैद्धांतिक तर्कों पर आधारित** एक अन्य विधि का उपयोग किया जाने लगा है जिसे **निगमन** विधि कहा जाता है.
- इस विधि में **कुछ मान्यताओं को लेकर तर्क के आधार पर उन परिस्थितियों में संभावित दशाएँ परिकल्पित** की जाती हैं
- इस विधि का उपयोग अधिकतम लाभ देने वाले वितरण के निर्धारण में अधिक होता है

Slides compiled by Urmi Sharma

Approaches

5. तंत्र विश्लेषण उपागम *(System Approach)*

- **इसमें किसी <u>अर्थतंत्र के क्षेत्रीय संगठन का ज्ञान प्राप्त करने के लिए कार्यों की समग्रता</u> पर विशेष बल दिया जाता है**

संसाधन-उपयोग-प्रक्रिया उपागम (Resource-Use-Process Approach)

- **Spencer नामक आर्थिक भूगोलवेत्ता ने इसका प्रतिपादन किया**
- **उनके अनुसार संपूर्ण पृथ्वी के संसाधन उपयोग हेतु प्रक्रियाओं को 2 मूलभूत वर्गों में रखा जा सकता है**

1. ***वे प्रक्रियाएं जो संसाधन उपयोग से संबंधित हैं तथा***
2. ***वे प्रक्रियाएं जो तत्वों के क्षेत्रीय अंतराल (Intervening space) को समाप्त करने से संबंधित है***

Slides compiled by Urmi Sharma